THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

'समन्वय की गली' में सैर

A walk down 'Harmony Lane'

Author – Shelly Richardson

Christian Science Sentinel Vol 113, No. 36 September 5, 2011

मैं गली के कोने पर फुटपाथ पर बैठी थी। रोती हुई। मैं राजनैतिक पक्ष–प्रचार की संचालिका थी और अपने कर्मचारी वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हुए जनता के बीच थी।

मैंने अपने कार्यकाल में टूटी हुई पगडंडियों वाले बगीचों में पक्ष–प्रचार किया–कोई मुश्किल नहीं आई। शहर के भीतरी इलाकों में–कोई मुश्किल नहीं आई। ग्रामीण आवास, राजनैतिक विपक्षी प्रदेश, निवास स्थान–कोई मुश्किल नहीं आई। मैंने ऑरेगोन राज्य के आसपास लगभग सभी दरवाजों को खटखटाया था तथा नॉर्थ–वैस्ट के अधिकतर दरवाजों को भी तथा सैंकडों पक्ष–प्रचारको को प्रशिक्षित किया था। फिर भी इस आसान प्रतीत हो रही राजनैतिक प्रगतिशील पड़ोस की गली ने मुझे रूला दिया। मैंने अकेलापन महसूस किया। ये लोग मतलबी थे।

लगभग दस मिनट के बाद, मैंने नीचे से ऊपर देखा जहाँ मैं थी तथा मैंने रोते–रोते हँसना शुरू कर दिया। गली के चिन्ह ने कहा: 'समन्वय की गली।'

ठीक है, चिन्ह को देखने के बाद मैं जानती थी मुझे शाँत होना था तथा प्रार्थना शुरू करनी थी। मैंने अपने कर्मचारी वर्ग को सिखाया था कि किसी भी तथा हर तरह की परिस्थिति में, हममें से प्रत्येक अपने काम को करने के लिए पूरी तरह से तैयार किया हुआ है, इससे फर्क नहीं पड़ता कि एक पड़ौसी ने क्या प्रस्ताव दिया या नहीं भी दिया।

यह मेरे लिए समय था अपने स्वयं के दृढ़ विश्वास को याद करने का तथा अच्छाई को देखने के लिए अपनी आँखे खोलने का। गली का चिन्ह मेरे ऊपर हमेशा से था, परमेश्वर की अनन्त रियासत के अनुस्मारक की तरह। परमेश्वर मुझे स्मरण करवा रहा था कि मैं आत्मा की समन्वित उपस्थिति को कभी भी छोड़ नहीं सकती थी। मुझे केवल "ऊपर देखने" तथा ध्यान देने की ज़रूरत थी।

समन्वय एक "हाँ या ना" नहीं है। यह एक प्रभावशाली आध्यात्मिक कानून है।

तुरन्त ही, मेरी उदासी तथा हताशा चली गई। मैं खड़ी हुई, काम पर वापिस गई, और काम सफलतापूर्वक खत्म किया।

वह चिन्ह मेरे लिए एक रूपांतर था पिछले कुछ सालों में एक बाद दोबारा सोचने का, कि समन्वय क्या है और क्या नहीं है। मैं अक्सर विचार करती हूँ, "समन्वय की समझ उपचार कैसे लाती है?"

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2012 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

भौतिक संसार, पाँच इन्द्रियों के द्वारा निर्देशित होता हुआ, हमें सारा दिन समन्वय को आँकते हुए या मापते हुए नियन्त्रित करने की कोशिश करता है, हम ऑफिस की गपशप को बढ़ा चढ़ा देने के लिए प्रोत्साहित रहते हैं, अपने परिवार या सामुदायिक नेताओं के बारे में शिकायत करते हुए, अपने शरीर की झूठी गवाहियों को सुनते हुए। हम क्या मोल ले रहे होते हैं? समन्वय या मानसिक अशाँति?

बाइबल एक अलग मिसाल पेश करती है, जिसके द्वारा जीवन का मूल्यांकन किया जाए। बाइबल के लेखक, अपने स्वयं के अनुभवों तथा सभी क्रियाओं के दिव्य सिद्धान्त, परमेश्वर के साथ अपने सम्बन्ध के द्वारा प्रोत्साहित होते हुए, हमें बताते हैं कि एक रास्ता है, समन्वय उर्फ आध्यात्मिक वास्तविकता, या स्वर्ग के साम्राज्य की निरन्तर सक्रियता को देखने का।

उसके प्राचीन संदेश के अनुसार, कोई भी ''दाता की भुजा'' को देख सकता है, जो समन्वय के द्वारा व्यक्त होती है। समन्वय एक '' हाँ या ना'' नहीं है। यह एक प्रभावशाली आध्यात्मिक कानून है जो कि प्रार्थना के द्वारा महसूस होता है। प्रशंसा, सम्मान, आदर सत्कार को स्वीकारते हुए ''दाता की भुजा'' हमारे स्वंय के जीवन में विषमता को शांत करती है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि स्थिति कितनी भी गंभीर प्रतीत क्यों न हो रही हो।

एक नबी जो कि आध्यात्मिक वास्तविकता को खौफनाक परिस्थितियों में भी प्रभावी रूप से देख सका, एलिशा है। एक बार सीरिया के राजा ने एक आक्रमण करने वाले दल को एलिशा को बंदी बनाने के लिए भेजा, क्योंकि वह इस्राएल के राजा को सहायता प्रदान कर रहा था। एलिशा का सेवक भयभीत था क्योंकि वह स्थिति को अपनी भौतिक इन्द्रियों के द्वारा आँक रहा था। परन्तु एलिशा जानता था कि सच्चे को समन्वय भौतिक दशा के द्वारा सही रूप से मापा नहीं जा सकता, जो कि आँखों को दिखाई देता है। समन्वय एक आध्यात्मिक कानून था। उसने प्रार्थना की तथा परमशेवर को अपने सेवक की आँखे खोलने के लिए याचना की। तब सेवक ने देखा वे अग्निरथ की एक सेना से घिरे हुए थे, उनको बचाने के लिए। वे सुरक्षित थे (देखें II राजा 6:8–17)

कई बार ऐसा हुआ जब मुझे इस विचार के साथ जुड़े रहना पड़ा कि समन्वय परमेश्वर का कानून है। यहाँ तक कि भयावह परिस्थितियों में भी।

मैं डेट्राइट क्षेत्र में पली बढी, जातीय दंगों के दौरान। हाई स्कूल में, मैं ने नियमित रूप से साँयस एण्ड हैल्थ का अध्ययन किया, उन आध्यात्मिक अंत:दर्शनों को खोजते हुए जो जातियों के बीच गहरी फूट को समाप्त करने में मदद कर सके। हिंसा तथा जातिवाद के इतिहास के बावजूद, मैं सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करती थी कि कोई कि कोई भी वास्तविक कारण नहीं है कि हम सब इकट्ठे समन्वय में नहीं रह सकते थे।

एक शाम जब मैं कॉलेज में थी, मुझ पर हमला हुआ। मेरे हमलावरों ने मुझ पर फब्तियाँ कसी, मेरे बालों मे मेरा सिर पीछे की ओर खींचा , तथा मेरी बाँहो को मेरे पिछली तरफ बाँध दिया। मेरा विश्वास करो–यह स्थिति किसी भी तरह से ''समन्वित'' नहीं दिखी।

किसी तरह, उन क्षणों में, मैंने कुछ अलग देखा। मैंने ऐसे व्यक्तियों को देखा जो स्वाभाविक रूप से परमेश्वर को प्रेम करने के लिए बनाए गए थे। मैं आश्वस्त थी कि वे मुझे हानि नहीं पहुँचाना चाहते थे, तथा मैं विश्वास नहीं करती थी, वे ऐसा करेंगे।

आश्वस्त होते हुए कि घृणा, विषमता, दुश्मनी, हिंसा, जातिवाद न तो उनकी विद्यमानता की वास्तविकता थी और न ही मेरी, मैंने अपने आध्यात्मिक वास्तविकता वाले दृष्टिकोण को उनके साथ बाँटा।

Translation © 2012 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

मैंने अपने सिर को घुमाया, उस व्यक्ति की आँखों में देखा जिसने मेरे बालों को पकडा हुआ था और कहा ''तुम यह नहीं करना चाहते क्योंकि परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है।'' हमारी नजरें मिली । उन्होंने मुझे जाने दिया तथा चले गए। परमेश्वर की वास्तविकता उनकी वास्तविकता बन गई। आध्यात्मिक समन्वय।

साँयस एण्ड हैल्थ में, मेरी बेकर एडी ने लिखा, ''यदि हम विषमता को समन्वय के समान वास्तविकता की तरह स्वीकार करें, विषमता का हम पर उतनी ही देर तक का दावा होगा जितना समन्वय का'' (पृष्ठ 186)। आओ हम सही चुनाव करें। आओ हम हर उस ''समन्वय की गली'' जो हमारे रास्ते में आती है, की अपनी समझ को उन्मुक्त कर दें और दृढ़ विश्वास के साथ आगे चलें।

Translation © 2012 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.